

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांचौर, जिला-जालोर

पीठारीन अधिकारी :- प्रमोद कुमार (आर.ए.एस)

मुकदमा संख्या :- 59/2023

जी.सी.एम.एस. नंबर :- 2023/159

प्रार्थी

विष्णु पुत्र बाबूलाल, जाति-
श्रीमाली, निवासी-पांचला,
तहसील-सांचौर, जिला-जालोर

अप्रार्थीगण

किशनलाल पुत्र हंसराज, वगैरह

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

तारीख रजु :- 12.012.2023

उपस्थिति :-

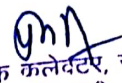
1. प्रार्थी की ओर से विद्वान अधिवक्ता श्री प्रकाशचन्द्र पुरोहित उपस्थित।
2. अप्रार्थीगण संख्या 1 लगायत 3 की ओर से विद्वान अधिवक्ता श्री नरसीराम चौधरी उपस्थित।
3. अप्रार्थी संख्या 4 लगायत 11 की ओर से विद्वान अधिवक्ता श्री गणपतलाल वैष्णव उपस्थित।
4. अप्रार्थी संख्या 12 लगायत 16 बावजूद तामील (सूचना) के अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय कार्यवाही।

:- निर्णय :-

दिनांक :- 16.07.2025

संक्षिप्त में प्रार्थना-पत्र में तथ्य इस प्रकार है कि ग्राम पांचला में

मुझ प्रार्थी की पैतृक एवं कब्जाकाश्त की खातेदारी भूमि खेत खाता संख्या 75 खसरा नंबर 397, 398 जुमले रकबा 8.80 हैक्टैयर की आई हुई है। नकल जमाबंदी संलग्न दावा पेश है। वादग्रस्त आराजी ग्राम पांचला के नवीन खेत खसरा संख्या 397, 398 पुराने खेत खसरा नंबर 151 रकबा 54 बीघा 7 बिस्वा से दौराने द्वितीय सेटलमेंट नवसृजित किए है। नकल मिलान क्षेत्रफल संलग्न वादपत्र प्रस्तुत है। उक्त वादग्रस्त आराजी वक्त प्रथम सेटलमेंट में मेरे दादाजी पुनमा पुत्र रता जाति श्रीमाली निवासी पांचला के नाम राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज थी तथा मेरे दादाजी पुनमा के फौत होने के पश्चात उक्त आराजी मेरे पिता बाबूलाल पुत्र पुनमा के नाम राजस्व रिकॉर्ड में जरिये नामान्तरकरण संख्या 173 के एकमात्र विधिक वारिस होने से दर्ज हुई। उक्त भूमि पुनमा के फौत होने के पश्चात अकेले मेरे पिता श्री बाबु के नमा दर्ज हुई थी परन्तु अप्रार्थी संख्या 01 एवं 02 के पिता एवं अप्रार्थी संख्या 03 के पति हंसराज पुत्र रता ने षडयंत्र पूर्वक मेरे पिता बाबुलाल को मुगालते में रहकर संपूर्ण भूमि खसरा नंबर 151 रकबा 54 बीघा 7 बिस्वा में 1/2 हिस्सा अपने नाम दर्ज करवा दिया जबकि आज दिन तक मेरे पिता श्री बाबुलाल ने हंसराज को किसी भी प्रकार से उक्त भूमि हस्तांतरित नहीं की है न ही उक्त भूमि कभी भी बेचान की है। इसके बावजूद भी हंसराज ने षडयंत्रपूर्वक बंटवाड़ा का हवाला देकर राजस्व कर्मचारियों से मिलावट कर नामान्तरकरण संख्या 318 अपने नाम का भरवाकर संपूर्ण भूमि में 1/2 हिस्से में अपना नाम दर्ज करवा दिया जबकि राजस्व विधि का सुस्थापित नियम है कि खातेदारी खेतों का बंटवाड़ा खातेदारों के मध्य ही हो सकता है जो व्यक्ति संयुक्त खातेदार नहीं है उनको जरिये बंटवाड़ा के कोई भूमि नहीं दी जा सकती है। मेरे पिता बाबुलाल पुत्र पुनमा की मृत्यु हो चुकी है तथा उकने पीछे मैं एकमात्र विधिक वारिस एवं जायज उत्तरधिकारी हूं। मोके पर मेरा उक्त भूमि पर कब्जा लगातार चला आ रहा है तथा


सहायक कलेक्टर, सांचौर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांचौर

मैं उक्त आराजी का उपयोग एवं उपभोग करता आ रहा हूं इसलिए मैं अप्रार्थी किशनलाल रमेश कुमार एवं सविता के नाम दर्ज 8.80 हैक्टेयर भूमि में 3/10 हिस्से पर खातेदारी प्राप्त करने का विधिसम्मत अधिकारी हूं। उक्त वादग्रस्त आराजी मुझ प्रार्थी की पुश्तैनी, कब्जासुदा खातेदारी भूमि है तथा मौके पर वक्त पीढ़ियों से लगातार मेरा कब्जा चला आ रहा है तथा उक्त भूमि आज तक मेरे या मेरे पिता या दादा द्वारा कभी भी हस्तांतरित नहीं की गई है। इसके बावजूद भी विधि विरुद्ध रूप से अप्रार्थी के नाम दर्ज हो गई है। इस प्रकार प्रथम दृष्ट्या मामला मेरे पक्ष में बनता है। मुझ प्रार्थी द्वारा भूमि में खाद वगैरह डालकर समतल कराकर उपजाऊ व उपयोगी बनाया है। इस प्रकार सुविधा का संतुलन भी मुझ प्रार्थी के पक्ष में है इसके बावजूद भी अप्रार्थीगण अगर मुझे मेरे कब्जासुदा व खातेदारी की भूमि से बिना किसी विधिसम्मत प्रक्रिया के जोर जबरदस्ती से विधिविरुद्ध बेदखल करने में सफल हो गए या आगे से आगे वादग्रस्त आराजी का बैचान कर हस्तांतरण कर दिया तो हमें अपूरणीय क्षति हागी जिसका आंकलन दृव्य में किया जाना मुमकिन नहीं होगा। अतः प्रार्थना-पत्र पेश कर निवेदन है कि वांके मौजा सरहद ग्राम पांचला में स्थित मुझ प्रार्थी की पैतृक एवं कब्जाकाशत की खातेदारी भूमि खेत खाता संख्या 75 खसरा नंबर 397, 398 जुमले रकबा 8.80 हैक्टेयर में इस अमर की अस्थाई निषेधाज्ञा की डिक्री बहक प्रार्थी विरुद्ध प्रतिवादीगण सादिर फरमावें कि वे मेरे 3/10 हिस्से की भूमि में किसी भी प्रकार से प्रवेश नहीं करें तथा हमारे शांतिपूर्ण कब्जा काशत में उपयोग उपभोग में किसी भी प्रकार की दखलंदाजी न तो स्वयं करें एव न ही किसी अन्य से करावें तथा आगे किसी को बैचान या हस्तांतरण नहीं कर रेकर्ड व मौके की यथास्थिति बनाये रखें।

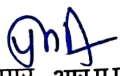
अधिवक्ता अप्रार्थीगण ने उक्त तथ्यों का विरोध करते हुए निवेदन किया कि प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र सारहीन, बलहीन व मनगंढत तथ्यों पर आधारित होने से प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज फरमावें।


मैंने उभयपक्षकारान् की बहस पर मनन किया, पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात् का भली भांति अध्ययन व अवलोकन किया गया अतः प्रथम दृष्ट्या प्रकरण, सुविधा का संतुलन व अपूरणीय क्षति अप्रार्थीगण के पक्ष में प्रतीत होने से प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र अस्वीकार किया जाता है।

:- आदेश :-

अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काशतकारी अधिनियम पूर्णतया: साबित नहीं होने से अस्वीकार कर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से एक कम की जाकर दाखिल दफतर हो।

निर्णय आज दिनांक 16.07.2025 को सर-ए-इजलास सुनाया गया।


(प्रमोद कुमार, आर.ए.एस.)
सहायक कलेक्टर, सांचौर
उपखण्ड अधिकारी, सांचौर
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)


उपखण्ड अधिकारी, सांचौर
सहायक कलेक्टर, सांचौर
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)